

KHAN G.S. RESEARCH CENTRE

Kisan Cold Storage, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna-6 Mob. : 8877918018, 8757354880

Time : 09 to 10 Am

ECONOMICS

By : Khan Sir

(मानचित्र विशेषज्ञ)

बजट (Budget)

- ★ किसी भी अर्थव्यवस्था में सरकार के आगामी वर्ष के आय और व्यय के ब्यौरे को **बजट** कहते हैं।
- ★ बजट फ्रेंच भाषा के बुजेट (Bougeut) शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है चमरा का थैला।
- ★ 1773 ई० में ब्रिटेन के प्रथम प्रधानमंत्री राबर्ट वालपोल ने पार्लियामेन्ट में वित्तीय प्रस्ताव पेश करने हेतु एक चमड़े के थैला खोलकर उससे संबंधित कागजात निकाला तो संसद सदस्यों ने मजाक में इसे जादू के थैले के अर्थ में बजट खुल गया, बजट खुल गया कहा। इसके बाद वार्षिक आय-व्यय के प्रस्ताव के लिए बजट शब्द का प्रयोग होने लगा।
- ★ भारत का पहला बजट लार्ड कैनिंग के समय 7 अप्रैल, 1860 को तत्कालीन वित्तमंत्री जेम्स विल्सन ने प्रस्तुत किया। इसलिए जेम्स विल्सन को भारत में बजटीय प्रणाली का जनक कहा जाता है।
- ★ स्वतंत्र भारत का पहला बजट 26 नवम्बर, 1947 को पहले वित्त मंत्री R.K. सेट्टी द्वारा पेश किया गया था।
- ★ गणतंत्र भारत का पहला बजट 1950 जॉन मेथाई ने पेश किया।
- ★ भारत के तीन प्रधानमंत्री जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए बजट पेश किए- 1. जवाहरलाल नेहरू, 2. इंदिरा गांधी, 3. राजीव गांधी।
- ★ भारत की पहली महिला वित्त मंत्री इंदिरा गांधी। जबकि पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री निर्मला सितारमण हैं।
- ★ सर्वाधिक बजट प्रस्तुत करने का श्रेय मोरारजी देसाई को जाता है। इन्होंने 10 बार (8 बार नियमित, 2 बार अंतरिम) बजट प्रस्तुत किए।
- ★ प्रारम्भ में रेल बजट एवं आम बजट एक साथ ही प्रस्तुत किया जाता था लेकिन 1925 ई० में एकवर्ध समिति के सिफारिश पर आम बजट को रेल बजट को अलग कर दिया।
- ★ 2016 में पुनः रेल बजट एवं आम बजट को मिला दिया गया। भारत में बजट प्रस्तुत करने की परम्परा फरवरी महीने के अंतिम कार्य दिवस पर है।
- ★ बजट को तैयार कराने का काम प्राक्कलन समिति करती है।
- ★ बजट का टीवी पर प्रसारण 1992 से प्रारम्भ हुआ।
- ★ बजट प्रस्तुत करने का अधिकार राष्ट्रपति को है किन्तु वे वित्तमंत्री से प्रस्तुत करवाते हैं।
- ★ बजट प्रस्तुत करने की चर्चा संविधान में नहीं है बल्कि इसके

स्थान पर वार्षिक वित्तीय विवरण शब्द की चर्चा है। एक वर्ष के केन्द्रीय बजट को वार्षिक वित्तीय विवरण [Annual Financial Statement (AFS)] कहा जाता है।

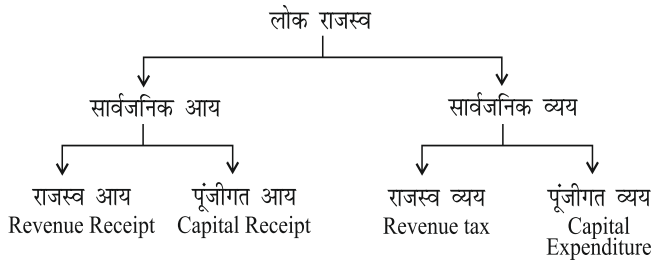
- **अनु० (112)**- इसमें बजट के तहत वित्तमंत्री भिन्न-भिन्न कार्य के योजना को प्रस्तुत करते हैं।
- **अनु० (113)**- इनमें प्राक्कलन के तहत खर्च का विवरण दिया जाता है।
- **अनु० (114)**- विनियोग विधियक के तहत धन निकालने का प्रस्ताव रखा जाता है जबतक विनियोग विधेयक पारित नहीं हो जाता है तबतक संसद से धन नहीं निकाला जा सकता है। इसी कारण संसद को राष्ट्रीय धन (कोष) का रक्षक कहते हैं।
- **अनु० (115)**- इसमें अतिरिक्त अनुदान के तहत प्राक्कलन द्वारा दिए गए पैसे घट जाने पर पैसा निकाला जाता है।
- **अनु० (116)**- इसमें लेखानुदान के द्वारा Advance अग्रिम (राशि) निकाल ली जाती है।

बजट के प्रकार

- (1) **शून्य आधारित बजट-**
जब बजट में पिछला लेन-देन को छोड़कर एकदम नए सिरे से बजट बनाया जाता है तो उसे शून्य आधारित बजट कहते हैं। भारत में शून्य आधारित बजट 1987-88 ई. में राजीव गांधी ने लाया तथा विश्व में शून्य आधारित का प्रथम प्रयोग 1977 ई. में अमेरिका के जिमी कार्स्टर ने किया। शून्य आधारित बजट के जनक अमेरिका के पिटर फायर थे। भारत में शून्य आधारित बजट सर्वप्रथम आंध्रप्रदेश में अपनाया गया।
- (2) **जेन्डर बजट-**
जिस बजट में स्त्री पुरुष के लिए अलग से कुछ प्रावधान हो जेन्डर बजट कहलाता है। 2001 में महिला शक्तिकरण के बाद जेन्डर बजट को अधिक बढ़ावा दिया गया।
- (3) **संतुलित बजट-**
वैसा बजट जिसमें आय तथा व्यय बराबर हो संतुलित बजट कहलाता है।
- (4) **आउट कम बजट-**
जब सरकार पैसा को खर्च करती है उस धन द्वारा किए गए कार्य का रिपोर्ट कार्ड (प्रगति) को आउटकम बजट कहते हैं। इस बजट की शुरुआत श्री पी.चिदम्बरम ने 2005 ई. में किया।

लोक राजस्व (Public Finance)

सरकारी लेनदेन को लोक राजस्व कहते हैं।



★ **सार्वजनिक आय**- सरकार के कुल आय को सार्वजनिक आय कहते हैं। यह दो प्रकार का होता है-

(1) **राजस्व आय**- वैसा आय जिसे सरकार लौटाती नहीं है। राजस्व आय कहलाता है अर्थात् इसपर सरकार की देनदारी (ऋणभार) शून्य रहता है। केन्द्र सरकार के राजस्व का सबसे बड़ा श्रोत निगम कर है। राज्य सरकार के राजस्व का सबसे बड़ा श्रोत बिक्री कर है।

(2) **पूंजीगत आय** - सरकार का वैसा धन जिसे सरकार को लौटाना पड़े अर्थात् जिसपर सरकार की देनदारी रहती है।

Ex. बैंक तथा बॉन्डपेपर के रूप में जमा धन।

Remark : - सरकार अपने पूंजीगत आय को बनाए रखने के लिए cashless पर विशेष जोड़ दे रही है।

★ **सार्वजनिक व्यय**- सरकार के कुल व्यय को सार्वजनिक व्यय कहते हैं। यह दो प्रकार का होता है-

(1) **पूंजीगत व्यय**- यह एक वर्ष में प्रारम्भ होकर कई वर्षों तक धीरे-धीरे होता रहता है यह बहुत बड़ा व्यय होता है इसके द्वारा दृढागत विकास होता है। जैसे सड़क, पुल, Airport।

(2) **राजस्व व्यय**- यह व्यय अल्पकालीन तथा छोटा होता है, जिस वर्ष यह प्रारम्भ होता है उसी वर्ष समाप्त हो जाता है। Ex. सहायता राशि, सब्सिडी, etc.

★ **घाटा (Deficite)** -

जब व्यय आय से अधिक हो जाए तो उसे घाटा कहते हैं। घाटा कई प्रकार का होता है।

(i) **राजस्व घाटा**- राजस्व व्यय - राजस्व आय

(ii) **पूंजीगत घाटा** - पूंजीगत व्यय - पूंजीगत आय

(iii) **सार्वजनिक घाटा**- सार्वजनिक व्यय - सार्वजनिक आय

सार्वजनिक घाटा - पूंजीगत घाटा + राजस्व घाटा

Note : - सार्वजनिक घाटा को बजट घाटा कहते हैं।

★ **राजकोष घाटा (Fiscal Deficite)**- जब बजट घाटा में ऋणभार को जोड़ देते हैं तो उसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

Note : - राजकोषीय घाटा सबसे प्रमुख घाटा है जिस देश का राजकोषीय घाटा जितना अधिक होगा तो उस देश की प्रगति में उतनी अधिक बाधा आएगी।

★ **प्राथमिक घाटा**- राजकोषीय घाटा में ब्याज जोड़ने पर प्राथमिक घाटा कहते हैं।

★ **मौद्रिक घाटा (Monetrial)**- नए नोट को छपने पर आए खर्च करने के कारण लगने वाला घाटा, मौद्रिक घाटा कहलाएगा यह तभी लगेगा जब सरकार अत्यधिक नोट छापे या नोट बदल दे।

★ **योजनागत व्यय**- वैसा व्यय जिसका अनुमान पहले से ही लगाया जा चुके योजनागत व्यय कहलाता है।

Ex. : वेतन, विकासात्मक परियोजनाएं।

★ **गैर योजनागत व्यय**- वैसा व्यय जिसका पूर्व अनुमान सरकार को न हो, गैर योजनागत व्यय कहलाता है।

Ex. : सहायता राशि, सब्सिडी, रक्षा व्यय।

★ **धन के स्वरूप-**

M_1 = लोगों का धन + Bank की मांग जमा + RBI का धन

$M_2 = M_1$ + डाकघर की बचत जमा

$M_3 = M_1$ + Bank का Fix Deposit

$M_4 = M_3$ + डाकघर की कुल जमा।

★ सबसे ज्यादा तरलता M_1 की होती है। जैसे-जैसे M_1 M_4 की ओर जाता है। धन की मात्रा को बढ़ाती है। किंतु तरलता घट जाती है। आकस्मिक स्थिति में M_1 का प्रयोग करते हैं।

★ M_4 एक विस्तृत मुद्रा है जबकि M_1 एक संकुचित मुद्रा है। बैंक को नियंत्रित करने के लिए बनाई गई नीति को मौद्रिक नीति कहते हैं। मौद्रिक नीति M_3 पर आधारित होती है।

Remark : - सर्वाधिक तरलता, नगद > सोना > जमीन।

♦♦♦